

# छोटी नदियाँ, छोटे पत्थर





#### अदिति/Introduction

जीवन में हर छोटी से छोटी चीज़ का भी बहुत महत्त्व होता है। किवता में किव ने यही बताया है कि जब हम किसी चीज़ को उसके विस्तार में देखते हैं तो उसका वह स्वरूप कई छोटी-छोटी चीज़ों से मिलकर बनता है। जैसे ढेर सारे पेड़-पौधों और फूलों से मिलकर एक उपवन बनता है, निदयों से सागर और कई शब्दों से मिलकर एक वाक्य का निर्माण होता है। इसलिए किसी को छोटा मानना उचित नहीं है।

छोटी नदियाँ मिल जाती जब बन जाता है सागर।

> फूलों के नन्हें पौधों से बनता सुंदर उपवन। बूँद-बूँद शोणित जब मिलता बचता है यह जीवन।

शब्द वाक्य बनते जाते हैं जब जुड़ जाते अक्षर।





उपवन - बाग, बगीचा

शोणित - रक्त, खून



#### बोध/Conceptual Understanding

- सागर किनके मिलने से बनता है?
- उपवन में क्या होता है ?



#### शिक्षण संकेत

छात्रों को छोटी-छोटी चीज़ों के महत्त्व के बारे में बताएँ और इस पर उनके विचारों को भी जानें।

नन्हें पत्ते साथी बनते छा जाती हिरयाली, तरुवर घने-घने से दिखते छोटी इक-इक डाली।

महल किले बन जाते ऊँचे जुड़तीं ईंटें-पत्थर।

-अनुज पाण्डेय





## ·बोध/Conceptual Understanding

- किनके साथी बनने पर हिरयाली छा जाती है?
- महल और किले बनाने में क्या प्रयोग होता है?





तरुवर

प्रत्येक छोटी-बड़ी वस्तु का अपना विशेष महत्त्व होता है।



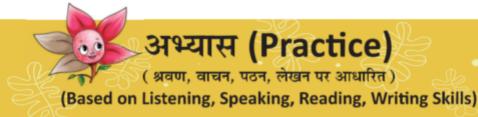
## विधा परिचय

प्रस्तुत पाठ काव्य अर्थात कविता की विधा में लिखा गया है। कविता को पद्य भी कहते हैं। इसमें कवि द्वारा मन के भावों को सरल-सहज शैली में प्रस्तुत किया जाता है। कविता का आंतरिक पक्ष काव्य की आत्मा होती है। भारत में कविता का इतिहास बहुत पुराना है।



### रचनाकार परिचय

अनुज पाण्डेय का जन्म गोरखपुर (उ.प्र.) के ग्राम पड़ौली में हुआ। निकट, गीत गागर, राष्ट्रधर्म, वीणा, देवपुत्र, आदि प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाओं में रचनाएँ प्रकाशित। दोहों, नवगीतों, बालगीतों आदि के साझा संकलनों में रचनाएँ प्रकाशित। सरयू साहित्य साधक सम्मान (गोरखपुर), तुलसी काव्य कला सम्मान (मथुरा) आदि सम्मान प्राप्त।





(Listening and Speaking skill/श्रवण एवं वाचन कौशल)

### श्रुतलेख/उच्चारण अभ्यास

(Oral Expressions/मौखिक अभिव्यक्ति )

🕊 निम्नलिखित शब्दों का सही उच्चारण कीजिए और उन्हें ध्यान से सुनकर सही-सही लिखिए—

नदियाँ, सुंदर, तरुवर, वाक्य, अक्षर, शोणित, साथी, पत्थर

# ע निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए—

- निदयाँ कहाँ जाकर मिल जाती हैं?
- 2. किनके मिलने से वाक्य बनते हैं?
- क्या मिलने से जीवन बचता है?
- ईंट-पत्थरों से क्या ऊँचा बनता है?



(Writing and Reading skill/लेखन एवं पठन कौशल)

# 🗸 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम दो वाक्यों में लिखिए। 🏿 (Written Expressions/लेखन अभिव्यक्ति)

- कविता में छोटी निदयाँ मिलकर किसका निर्माण करती हैं?
- 2. फुलों के नन्हें पौधों से किस प्रकार का सुंदर स्थान बनता है ?
- अक्षर जुड़कर क्या बनते हैं और वे क्या अर्थ प्रकट करते हैं?
- 4. नन्हें पत्तों के साथी बनने पर पेड़ों की हरियाली कैसी दिखती है?
- महल और किले ऊँचे कैसे बनते हैं और इसके लिए किन चीज़ों का इस्तेमाल होता है?

#### दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(VBQ/मूल्यपरक प्रश्न)

6. "बूँद-बूँद शोणित जब मिलता, बचता है यह जीवन" इस पंक्ति का मतलब अपने शब्दों में समझाइए।

🕊 दिए गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनिए-								
🛡 हिंगा गाए पुण्ना के लिए गरा विकला चानए					$\rightarrow$			<b>4</b> • • •
	त्या चाचाा—	विकला	ग्रस	ाळ्या	7	ਧਾਰਜਾ	TITT	🐷 ह्या
rice he arm which the manner gine-	ल्य जागल—	199769	(del	16.16	40	34.11	-16	100

(MCQs/बहुविकल्पीय प्रश्न)

- 1. कविता के अनुसार, छोटी नदियाँ मिलकर क्या बनाती हैं?
  - (क) तालाब

(ख) झरना

(ग) सागर

(घ) नदी

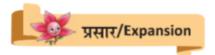
2.	फूलों व	के नन्हें पौधों से क्या बनता है ?			
	(क)	जंगल		(ख) उपवन	
	(ग)	वन		(घ) खेत	
	भाष	प्रा के रंग		(Lar	nguage skill/भाषायी कौशल )
1.	दिए ग गया है	ाए शब्दों को जोड़कर तीन−तीन श —	ाब्द और	बनाइए, एक उदाहर	ण आपके लिए किया
	आहट	– घबराहट			
	शक्ति	– शक्तिशाली			
	आती	– मुस्कुराती			***************************************
संयु	क्त व्यं	<b>जन</b> — जो व्यंजन दो या दो से अधि	क व्यंजनों	के मिलने से बनते हैं	, उन्हें संयुक्त व्यंजन कहा
जात	ा है।				
2.		। व्यंजनों ( क्ष - त्र - ज्ञ - श्र ) से केया गया है—	बने तीन	-तीन शब्द लिखिए,	एक उदाहरण आपके
	क्ष -	क्षमा			
	র –	पात्र			
	র -	जिज्ञासा			
	श्र -	परिश्रम	•••••		
3.	दो औ गया है	र तीन अक्षरों के समान तुक वाले —	शब्द लि	खिए, एक उदाहरण	आपके लिए किया
	जল	थल	अगर	मगर	
	आग		लगन		
	कवि		जागन	Π	
	रोना		गागर		
	नैना		हिसाब	a	
		The state of the s	प्रयोग/App	olication	



(Let us do and learn)

 आप पढ़ते समय अपनी पेंसिल छीलते होंगे, अक्सर इधर-उधर कागज़ की कतरनें भी मिलती होंगी। धागा और बटन जैसी चीज़ें तो सबके घर में होती ही हैं। अब ऐसी ही छोटी-छोटी वस्तुएँ चुनकर इकट्ठा करो और एक आर्ट शीट पर उनको चिपकाते हुए कोई चित्र बनाओ।

- फूलों के नन्हें पौधों से बनता सुंदर उपवन, बूँद-बूँद शोणित जब मिलता बचता है यह जीवन।
  - 🏿 नन्हें पौधों से किस प्रकार का स्थान बनता है ?
- "बूँद-बूँद शोणित" मिलने पर क्या बचता है?





भगवद गीता ज्ञान का सागर है, ऐसा क्यों कहा जाता है ? इस विषय में अपने माता-पिता या दादा-दादी से जानकारी प्राप्त करो और अपने अनुभवों को सहपाठियों के साथ बाँटो।



बच्चों आपको एक कहानी का आरंभ दिया जा रहा, अब अपनी कल्पना से उसका अंत लिखकर दिखाइए।

> "एक दिन राजा के बगीचे में एक नन्हा पौधा उग आया। वह पौधा दिन-ब-दिन बड़ा होता गया और फिर..."



Self assessment (Emotional Development)

इस कविता में छोटी-छोटी चीज़ों से मिलकर किसी बड़ी चीज़ के बनने की बात कही गई है। अब आप भी कुछ ऐसी ही चीज़ों के उदाहरण दो जो छोटी चीज़ों से मिलकर बनी है।



#### भारत के रोचक तथ्य

(Knowledge of India)

श्रीकृष्ण की आराधना करने वाला हर व्यक्ति उनकी महान भक्त मीराबाई से तो अवश्य परिचित होगा। सिदयाँ बीत जाने पर भी मीराबाई के लिखे कृष्ण भजन आज भी जन-जन में गाए जाते हैं। मीराबाई राजस्थान के एक राजसी परिवार में जन्मी थीं और मेड़ता में बीते अपने बचपन से ही कृष्ण-प्रेम में डूबी थी। बड़े होने पर उनका विवाह मेवाड़ के राजकुँवर से हुआ, परंतु उनकी कृष्ण-भिक्त में कोई कमी नहीं आई। वे भिक्तकाल की एक महान कवियत्री थीं। कृष्ण-भिक्त के लिए उन्होंने अपने सारे राजसी सुख त्याग दिए और तीर्थयात्रा में अपना शेष जीवन बिताया।